भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †783
सोमवार, 12 दिसम्बर, 2022/21 अग्रहायण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में पर्यटन केन्द्रों का विकास एवं निर्माण

†783. डॉ. रमापति राम त्रिपाठीः
श्री बृजभूषण शरण सिंहः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश में पर्यटन केन्द्रों के विकास एवं निर्माण के लिए आबंटित बजट का ब्यौरा क्या है;

(ख) एक बड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पैमाने के अंतर्गत आने वाले देवीपाटन मंडल के जिलों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अन्य योजनाओं के साथ-साथ अब तक क्या प्रयास किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश में एक सांस्कृतिक केंद्र और एक राष्ट्रीय पुस्तकालय खोलने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2022-23 में अपनी 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में किसी भी परियोजना को स्वीकृत नहीं किया है।

स्वदेश दर्शन योजना के आध्यात्मिक परिपथ के तहत स्वीकृत निम्नलिखित परियोजना के अंतर्गत देवीपाटन का विकास कवर किया गया है:

(करोड़ रुपये में)

राज्य	परिपथ/वर्ष का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ/2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपाट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाष्णी मंदिर (डोमरियागंज) का विकास	18.30

पर्यटन मंत्रालय उत्तर प्रदेश राज्य और विशेष रुप से देवीपाटन मंडल के तहत श्रावस्ती की बौद्ध विरासत सहित देश के पर्यटन गंतव्यों को समग्र रूप से बढ़ावा देता है। अपनी चल रही गतिविधियों के एक भाग के रूप में, यह "अतुल्य भारत" ब्रांड-लाइन के तहत विदेशों में महत्वपूर्ण और संभावित बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। आतिथ्य सहित घरेलू संवर्द्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) और "विभिन्न गंतव्यों (उत्तर प्रदेश सहित) के संवर्द्धन सहित विदेशी संवर्द्धन और प्रचार की अपनी योजनाओं के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है। संवर्धन कार्य नियमित रूप से मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org) और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी किया जाता है।

(ग) और (घ):पर्यटन मंत्रालय में अपनी मौजूदा योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश में एक सांस्कृतिक केंद्र और एक राष्ट्रीय पुस्तकालय खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****